

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
MINISTRY OF EARTH SCIENCES
'पृथ्वी भवन', लोदी रोड,
"Prithvi Bhwan", Lodi Road
नई दिल्ली-110003
New Delhi 110003

PLEASE READ THE FOLLOWING TERMS AND CONDITIONS CAREFULLY BEFORE APPLYING FOR FINANCIAL SUPPORT,

वित्तीय सहायता हेतु आवेदन देने से पूर्व कृपया निम्नलिखित नियमों एवं शर्तों को अच्छी तरह से पढ़ लें।

संगोष्ठी, विचार-गोष्ठी, कार्यशाला, सम्मेलन आदि के लिए मंत्रालय की वेबसाइट <http://www.moes.gov.in> के माध्यम से अथवा मंत्रालय को सीधे हार्ड कॉपी भेजकर आवेदन प्रस्तुत करने के लिए टिप्पणी।

NOTES FOR SUBMISSION OF APPLICATION FOR SEMINARS, SYMPOSIA, WORKSHOP, CONFERENCE ETC THROUGH EITHER INTERNET www//Moes.gov.in OR BY POSTING THE HARD COPY TO THE MINISTRY DIRECTLY.

1. इसका उद्देश्य विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, पर्यावरणविदों, जनसाधारण और प्रयोक्ता समुदायों के बीच पारस्परिक संवाद के लिए एक मंच तैयार करना है, जिससे समुद्र और वायुमंडलीय विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी की जानकारी का आदान-प्रदान हो सके तथा किसानों के लिए कृषि-मौसम-विज्ञान संबंधी सेवाओं और जनता, सामाजिक कार्यक्रमों आदि के लिए मौसम पैरामीटरों आदि जैसी जानकारी प्रसारित की जा सके।

The objective is to support the platforms for interaction between Experts, Scientists, Environmentalists, General public and user communities to exchange the knowledge of Ocean & Atmospheric Science and Technology, and to disseminate the information such as Agro-Met services to farmers, weather parameters to people, societal Programmes etc.

2. प्रमुख क्षेत्र हैं: ध्रुवीय विज्ञान, समुद्री प्रेक्षण और सूचना सेवाएं, समुद्र प्रौद्योगिकी, तटीय क्षेत्र प्रबंधन, समुद्री निर्जीव संसाधन, समुद्र से औषधि, जलवायु परिवर्तन, हिंद महासागर में चक्रवात, भूकंप, मौसम पूर्वानुमान और लोगों के लिए सूचना, किसानों के लिए कृषि संबंधी परामर्शी सूचना, गैस हाइड्रेट विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, समुद्री मोती कृषि, गहरे समुद्र के समुद्री सजीव संसाधन, नितलस्थ जीव और पारिस्थितिकी; पनडुब्बीनुमा यंत्र का विकास, समुद्र से स्वच्छ जल, समुद्री ऊर्जा तथा प्रौद्योगिकियां, समुद्री स्वच्छता की मॉनीटरिंग, समुद्री पर्यावरण मॉडलिंग, समुद्र स्थिति पूर्वानुमान, मंत्रालय के वर्तमान सामाजिक कार्यक्रम, सुनामी पूर्व चेतावनी प्रणाली, कार्बन एन और पी चक्र, पुरा जलवायु अध्ययन, समुद्र स्तर में परिवर्तन, कार्बन पृथक्करण, जल चक्र-समुद्र से हवा और हवा से फिर भूमि पर आने-के दौरान होने वाली परस्पर क्रिया, कृत्रिम बादल बनना तथा अन्य।

The Thrust Areas are Polar Sciences, Ocean Observation and Information Services, Ocean Technology, Coastal Zone Management, Marine Non-Living Resources, Drug from Sea, Climate Change, Cyclones in Indian Ocean, Earthquakes, Weather Forecasting and Information to people, Agro Advisories to farmers, Gas Hydrates Science and Technology, Marine Pearl Culture, Deep Sea Marine Living Resources, Benthos and Ecology; Submersibles Development, Fresh water from Sea, Ocean Energy & Technologies, Sea

Health Monitoring, Marine Environment modeling, Ocean State- Forecasting, On-going Ministry's Societal programmes, Tsunami Early Warning System, Carbon , N and P Cycle, Paleoclimatic studies. Sea level changes ' Carbon sequestration, Water Cycle-sea to air to land interaction, cloud seeding and others.

3. सहायता हेतु संस्थान के संयोजक तथा प्रमुख द्वारा विधिवत रूप से भरे हुए तथा हस्ताक्षरित आवेदन पत्र (हार्ड कॉपी) को उचित माध्यम से प्रभाग प्रमुख, आउटरीच कार्यक्रम, भारत सरकार, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, 'पृथ्वी भवन' लोदी रोड, नई दिल्ली-110003 को निम्नलिखित संबंधित दस्तावेजों के साथ भेजा जा सकता है:-

The application (Hard Copy) for seeking support dully filled and signed by the convener and Head of the Institution, needs to be submitted through proper channel to Head of the Division, Outreach Programme, Government of India, Ministry of Earth Sciences, "PRITHVI BHWAN", Lodi Road, New Delhi 110003 with the following relevant enclosures:

(क) पंजीकृत सोसायटी, प्राइवेट कॉलेजों/स्कूलों, सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेजों, गैर-सरकारी संगठनों, मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय आदि के मामले में निम्नलिखित प्रतियां संलग्न की जाएं : (i) पंजीकरण प्रमाणपत्र, (ii) संगम अनुच्छेद/ज्ञापन (iii) उप-विधियां (iv) सोसायटी आदि के पिछले 3 वर्षों के लेखों के लेखा-परीक्षित विवरण (v) आय एवं व्यय आदि के स्रोत एवं पद्धति (vi) वर्तमान पदधारियों की सूची एवं बैलेंस शीट खाता (पिछले तीन वर्षों की) (vii) सोसायटी के संगम ज्ञापन, नियमों एवं विनियमों की प्रति (viii) पिछले तीन वर्षों की आयकर विवरणी (आईटीआरएस) (पृथ्वी प्रणाली विज्ञान से संबंधित क्षेत्रों में आउटरीच गतिविधियों में लगे हुए गैर-व्यावसायिक निकायों के लिए लागू) (ix) नीति आयोग द्वारा जारी किया गया Unique आईडी कोड

(x) पैन कार्ड की कॉपी (xi) ईसीएस/आरटीजीएस सूचना बैंक द्वारा सत्यापित होनी चाहिए।

For Registered Society, Private Colleges / schools, Government aided Colleges, Non-Government Organizations, Deemed University etc are required to enclose copies of: (i) Registration Certificate, (ii) Articles/Memo of Association, (iii) By-Laws, (iv) Audited Statement of Accounts and balance sheet of the Society etc for the last 3 years, (v) Sources & Pattern of Income & Expenditure etc for the last 3 years (vi) list of present office bearers, (vii) Memorandum of Association, copy of rules and regulation of the society (viii) Income-Tax Returns (ITRs) for the last three years (applicable for non-professional bodies engaged in the outreach activities in related areas of Earth System science), Niti Aayog unique ID code, PAN card copy, ECS/RTGS details duly endorsed by bank (copy enclosed)

(ख) मान्यता प्राप्त अनुसंधान संगठनों द्वारा आयोजित किए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के मामले में निम्नलिखित प्रतियां संलग्न की जाएं : (i) प्रशासनिक मंत्रालय का अनुमोदन (ii) विदेश मंत्रालय की क्लीयरेंस (iii) गृह मंत्रालय की क्लीयरेंस ।

For International Conference being organized by recognized Research Organizations copies to be enclosed are (i) Approval of Administrative Ministry, (ii) Clearance of Ministry of External Affairs, (iii) Clearance of Ministry of Home Affairs

It may please be noted that established NGOs with good track record and which are involved exclusively in scientific activities related to Earth System Science domain only shall be considered for financial support by MoES.

यह नोट किया जाए कि पिछली उपलब्धियों वाले तथा अनन्य रूप से पृथ्वी प्रणाली विज्ञान के क्षेत्र से जुड़े हुए वैज्ञानिक कार्यकलापों में शामिल प्रतिष्ठित गैर सरकारी संगठनों को ही एमओईएस द्वारा वित्तीय सहायता देने पर विचार किया जाएगा।

Upon completing the procedural formalities the final decision shall be communicated to you **In case no decision is conveyed before the commencement of event it may be assumed that financial support is not sanctioned.** No assumption on part of the applicant shall be valid to consider the case for re-imburement of expenditure after the event is over. In all such cases organizers have to bear the expenses and no case for reimbursement shall be entertained.

Canvassing in any form shall be a disqualification.

प्रक्रिया संबंधी औपचारिकताएं पूरी होने पर आपको अंतिम निर्णय के बारे में सूचित किया जाएगा। इवेंट के प्रारंभ होने से पहले निर्णय की सूचना नहीं दिए जाने की दशा में यह माना जाए कि वित्तीय सहायता स्वीकृत नहीं की गई है। इवेंट के समापन के उपरांत व्यय की प्रतिपूर्ति हेतु मामले पर विचारार्थ आवेदक के किसी भी दावे को वैध नहीं माना जाएगा। ऐसे सभी मामलों में आयोजकों को व्यय वहन करना होगा तथा प्रतिपूर्ति हेतु किसी भी मामले पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। अपने पक्ष में माहौल बनाने के किसी भी प्रयास को अयोग्यता माना जाएगा।

No correspondence / communication in this regard shall be entertained in between by MoES. इस बीच एमओईएस से इस संबंध में कोई भी पत्राचार/संचार नहीं किया जाए।

Application forms which are incomplete in any form or are not provided with the copies of required documents / certificates / details (such as ; UCs, by-laws and other as mentioned at para 3a) **shall be summarily rejected by MoES** and no correspondence shall be made in this regard with the applicant. It is therefore reiterated that all applicant must read guidelines carefully and comply with all terms and conditions before submitting the application to MoES for financial support.

किसी भी रूप में अपूर्ण अथवा आवश्यक दस्तावेजों/प्रमाण पत्रों/विवरणों की प्रतियों (जैसा कि पैरा 3ए में उल्लिखित यूसी, उप-विधियां तथा अन्य) उपलब्ध नहीं करवाने पर एमओईएस द्वारा आवेदन तुरंत रद्द कर दिया जाएगा और इस संबंध में आवेदक के साथ कोई पत्र-व्यवहार नहीं किया जाएगा। अतः यह दोहराया जाता है कि आवेदक वित्तीय सहायता हेतु एमओईएस को आवेदन प्रस्तुत करने से पूर्व दिशा-निर्देशों को अच्छी तरह से पढ़ ले तथा सभी नियमों तथा शर्तों का अनुपालन करें।

4. सफल आवेदकों को मंत्रालय द्वारा सूचना भेजी जाएगी तथा आगे के पत्राचार के लिए केवल मंत्रालय की संदर्भ संख्या दी जाए। इस संबंध में मंत्रालय का निर्णय अंतिम होगा तथा आगे कोई पत्राचार नहीं किया जाएगा।

The successful applicants shall be informed by Ministry and the future correspondence should contain the Ministry's reference no. only. The Ministry's decision is final and no further correspondence will be entertained.

5. यदि आयोजकों ने पहले भी पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (पूर्व के महासागर विकास विभाग अथवा महासागर विकास मंत्रालय) से संगोष्ठी, विचार-गोष्ठी आदि के लिए कोई अनुदान प्राप्त किया है तो सभी उपयोगिता प्रमाणपत्रों (चार मूल प्रतियां) तथा वित्तपोषण स्रोतों से हुई कुल आय एवं इन संगोष्ठियों पर किए गए व्यय की प्रतियां संलग्न की जाएं। साथ ही यदि कोई व्यय न की गई शेष राशि हो तो, उस अवधि के बैंक ब्याज सहित यह राशि, आहरण एवं संवितरण अधिकारी, भारत सरकार, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, नई दिल्ली - 3

के पक्ष में आहरित डिमांड ड्राफ्ट द्वारा तत्काल वापस कर दी जाए अन्यथा आवेदन पत्र को पूरी तरह अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

If the organizers received any grant for Seminars, Symposia etc earlier, from the Ministry of Earth Sciences [earlier Department of Ocean Development or Ministry of Ocean Development] the copies of all Utilization Certificates (four sets in original) and statement of total income from all the funding sources and expenditure for these seminars should be enclosed and unspent balance, if any, plus with bank interest for that period, should be refunded by Demand Draft drawn in favor of Drawing and Disbursing Officer, Government of India, Ministry of Earth Sciences, New Delhi-3, immediately otherwise the Application will be rejected.

6. यदि संस्थान/विश्वविद्यालय/संगठन एवं कोई पंजीकृत सोसायटी/संघ अथवा कोई अन्य निकाय संयुक्त रूप से कोई संगोष्ठी आयोजित कर रहे हैं, तो उपयोगिता प्रमाणपत्र तथा कुल आय एवं व्यय विवरण प्रस्तुत करने का दायित्व उस प्राधिकारी का होगा जिसे निधियां जारी की जा रही है। तथापि, निधियां उचित लेखा रखने वाले मान्यता प्राप्त संगठन को ही जारी की जाएगी।

Wherever an Institute/ University/ Organization and a Registered Society/ Association or any other body are jointly organizing a seminar, the responsibility of furnishing the Utilization Certificate and Statement of Total Income and Expenditure will lie with the authority to whom the funds are released. Funds will however be released to the recognized organization only for proper accounting.

7(क) मंत्रालय के अधिदेश, चार्टर, कार्यकलापों के अंतर्गत आने वाले समारोहों को ही समर्थन देने पर विचार किया जाएगा तथा निम्न मदों के लिए अनुदान दिया जाएगा (i) युवा वैज्ञानिकों (भारतीय) के लिए यात्रा भत्ता/महंगाई भत्ता (ii) वरिष्ठ वैज्ञानिकों (भारतीय) के लिए यात्रा भत्ता/महंगाई भत्ता (iii) सम्मेलन से पूर्व की घोषणाएं, सारांश आदि को छपवाना (iv) कार्यवाहियों का प्रकाशन (v) लेखन सामग्री (vi) सचिवालय सहायता (vii) विविध मदें।

Support will be considered only for the events which will be within the ambit of Ministry's mandate, charter & activities, and the grant will be released to items (i) TA/DA for Young Scientists (Indian), (ii) TA/DA for Senior Scientists (Indian), (iii) Pre-conference Announcements, printing of abstracts etc, (iv) Publication of Proceedings, (v) Stationery, (vi) Secretarial Assistance, (vii) Miscellaneous items.

(ख) इस मामले में, आयोजकों को इस आशय का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा कि वे निधि प्रदान करने वाली किसी अन्य सरकारी एजेंसी से कोई धनराशि अनुदान प्राप्त नहीं करेंगे।

In this case, organizers have to submit a certificate that they will not receive any funds/grants from any other government agencies.

(ग) अन्य देशों के वैज्ञानिकों को अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान प्रदान करने का कोई प्रावधान नहीं है।

There is no provision to provide international travel grant to other country Scientists

(घ) अन्य समारोहों के लिए केवल उपर्युक्त 7 क (iii) अथवा 7 क (iv) मदों के लिए पूर्ण अनुदान सहायता प्रदान की जाएगी।

Grant to other events will be supported fully to items 7a (iii) or 7a (iv) of above only.

(ड.) आंशिक निधि के मामले में, यदि किसी और वित्त पोषण एजेंसी से कोई अन्य वित्तीय सहायता/समर्थन और निधि की मात्रा मांगी गई है, तो उसके बारे में अवश्य बताएं।

In case of part fundings, it is necessary to indicate other funding agency if any financial assistance/support & the quantum of funding sought.

8. समारोह पूर्ण होने की तिथि से दो माह के भीतर प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज हैं: (i) संलग्नक 1 में दिए गए प्रारूप में उपयोगिता प्रमाणपत्र (4 मूल प्रतियां) (ii) कार्यवाहियों की 2 प्रतियां (iii) इस समारोह के लिए कुल आय का ब्यौरा तथा व्यय का लेखा परीक्षित विवरण (iv) सिफारिशें तथा अनुवर्ती कार्रवाईयां (v) इस समारोह से होने वाली अन्य उपलब्धियां (vi) अन्य संलग्नक, यदि कोई हों।

The documents to be submitted within two months from the date of completion of the event are (i) The Utilization certificate (4 Original Copies) as per the format given in the enclosure-1, (ii) 2- COPIES OF THE PROCEEDINGS, (iii) Total Income details for this event and audited Statement of expenditure, (iv) Recommendations and follow-up actions, (v) other achievements from this event, (vi) Other enclosures if any.

9. राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय समारोहों के मामले में आवेदन पत्र कम से कम तीन महीने पूर्व राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के लिए चार महीने पूर्व जमा करा दिया जाए।

The application should be submitted in advance at least Three months for National event and Four months for International event.

10. निर्धारित फॉर्मेट में पूर्ण रूप से भरी हुई ईसीएस/आरटीजीएस सूचना बैंक द्वारा सत्यापित होनी चाहिए। यह एक अनिवार्य आवश्यकता है और प्रस्ताव के साथ इस दस्तावेज के न होने पर उस पर आगे विचार नहीं किया जाएगा।

ECS/RTGS information as per the format provided should be duly completed and endorsed by the bank. This is a mandatory requirement and proposal that do not contain this document shall not be processed.

11. अगर आपके संगठन के पास उपयोगिता प्रमाण-पत्र (यूसी) लंबित पड़ा है, तो जब तक उसका निपटान नहीं हो जाता तब तक मंत्रालय मंजूरी आदेश/अनुदान जारी नहीं करेगा।

In case there is a pending Utilisation Certificate with your organization, release of Sanction Order/Grant shall not be taken up by the Ministry until settlement.

12. यदि राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा कोई पंजीकरण/प्रमाणपत्र जारी किया गया है तो योजना आयोग द्वारा गैर सरकारी संगठन के तहत जारी पंजीकरण संख्या प्रस्तुत करें।

Please furnish registration number issued by the Planning Commission under NGO Registration/Certificate, if any, issued by the State Council for Science & Technology.

13. आपके संस्थानों को पूर्व में जारी किए गए अनुदानों के सभी लंबित उपयोगिता प्रमाण-पत्र नेट पर उपलब्ध है तथा इन्हें आप <http://164.100.179/ucdemo1/report/pendingUCs.aspx> पर देख सकते हैं।

To view of all the pending UCs of earlier grants released to your Institutions is available in net and to view the same please visit the link <http://164.100.31.179/ucdemo1/Report/PendingUCs.aspx>

14. कोई भी प्रस्ताव प्रस्तुत करने से पूर्व कृपया सुनिश्चित कर लें कि निर्धारित फॉर्म को सब प्रकार से भर दिया गया है, ऐसा करने में असफल रहने पर आवेदन/प्रस्ताव को निरस्त कर दिया जाएगा तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा इस बारे में कोई सूचना नहीं दी जाएगी।

Before submitting any proposal kindly ensure that the prescribed form is filled-in in all respect failing which the application of the proposal should cancelled and no communication should be made by MoES.

15. सभी एनजीओ को नीति आयोग के पोर्टल पर पंजीकृत किया जाना चाहिए तथा किसी भी मंत्रालय से अनुदान प्राप्त करने हेतु अपने आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने से पूर्व उन्हें अद्वितीय पहचान संख्या प्राप्त कर लेनी चाहिए। एनजीओ को अद्वितीय पहचान संख्या प्रदान करते समय, सभी न्यासियों और पदधारकों के पेन और आधार नंबर प्राप्त कर लेने चाहिए। अनुदानों और निर्मुक्तियों हेतु एनजीओ के प्रस्तावों को मंत्रालयों द्वारा केवल इस पोर्टल के माध्यम से ही प्रोसेस किया जाना चाहिए।

All NGOs must be registered at NITI Aayog portal and should obtain unique identifiers before submitting their applications for grants from any Ministry. While giving unique identifiers to NGOs, PAN and Aadhaar numbers of all trustees and office bearers should be provided.

FORM GFR 12A

GENERAL FINANCIAL RULES 2017
Ministry of Finance
Department of Expenditure



GFR 12 – A
[[See Rule 238 (1)]]

**FORM OF UTILIZATION CERTIFICATE
FOR AUTONOMOUS BODIES OF THE GRANTEE ORGANIZATION**

UTILIZATION CERTIFICATE FOR THE YEAR..... in respect
of recurring/non-recurring
GRANTS-IN-AID/SALARIES/CREATION OF CAPITAL ASSETS

- 1. Name of the Scheme.....
- 2. Whether recurring or non-recurring grants.....
- 3. Grants position at the beginning of the Financial year
 - (i) Cash in Hand/Bank
 - (ii) Unadjusted advances
 - (iii) Total
- 4. Details of grants received, expenditure incurred and closing balances: (Actuals)

Unspent Balances of Grants received years [figure as at Sl. No. 3 (iii)]	Interest Earned thereon	Interest deposited back to the Government	Grant received during the year			Total Available funds (1+2-3+4)	Expenditure incurred	Closing Balances (5-6)
			Sanction No. (i)	Date (ii)	Amount (iii)			
1	2	3	4			5	6	7

Component wise utilization of grants:

Grant-in-aid-General	Grant-in-aid-Salary	Grant-in-aid-creation of capital assets	Total

- D. Details of grants position at the end of the year
 - (i) Cash in Hand/Bank
 - (ii) Unadjusted Advances
 - (iii) Total



Certified that I have satisfied myself that the conditions on which grants were sanctioned have been duly fulfilled/are being fulfilled and that I have exercised following checks to see that the money has been actually utilized for the purpose for which it was sanctioned:

- (i) The main accounts and other subsidiary accounts and registers (including assets registers) are maintained as prescribed in the relevant Act/Rules/Standing instructions (mention the Act/Rules) and have been duly audited by designated auditors. The figures depicted above tally with the audited figures mentioned in financial statements/accounts.
- (ii) There exist internal controls for safeguarding public funds/assets, watching outcomes and achievements of physical targets against the financial inputs, ensuring quality in asset creation etc. & the periodic evaluation of internal controls is exercised to ensure their effectiveness.
- (iii) To the best of our knowledge and belief, no transactions have been entered that are in violation of relevant Act/Rules/standing instructions and scheme guidelines.
- (iv) The responsibilities among the key functionaries for execution of the scheme have been assigned in clear terms and are not general in nature.
- (v) The benefits were extended to the intended beneficiaries and only such areas/districts were covered where the scheme was intended to operate.
- (vi) The expenditure on various components of the scheme was in the proportions authorized as per the scheme guidelines and terms and conditions of the grants-in-aid.
- (vii) It has been ensured that the physical and financial performance under (name of the scheme has been according to the requirements, as prescribed in the guidelines issued by Govt. of India and the performance/targets achieved statement for the year to which the utilization of the fund resulted in outcomes given at Annexure - I duly enclosed.
- (viii) The utilization of the fund resulted in outcomes given at Annexure - II duly enclosed (to be formulated by the Ministry/Department concerned as per their requirements/specifications.)
- (ix) Details of various schemes executed by the agency through grants-in-aid received from the same Ministry or from other Ministries is enclosed at Annexure - II (to be formulated by the Ministry/Department concerned as per their requirements/specifications).

Date:

Place:

Signature

Signature

Name.....

Name.....

Chief Finance Officer

Head of the Organisation

(Head of the Finance)

(Strike out inapplicable terms)